हिंदी ऑनलाइन कक्षा

कक्षा - आठवीं

विषय – हिंदी
पाठ : ८
पाठ का नाम : रामायण और महाभारत के महापात्र (प्रश्नोत्तर)

३• निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

(क) श्रवण ने माता पिता को तीर्थयात्रा करवाने के लिए क्या प्रबंध किया ?

उत्तर = श्रवण को अपने अंधे माता - पिता को तीर्थयात्रा करवाने के लिए एक उपाय सुझा । उसने दो बड़ी बड़ी टोकरियाँ लीं । उन्हें मज़बूत लाठी के दोनों सिरों पर रस्सी से बाँधकर लटका दिया । इस तरह बड़ा काँवर बन गया और इस प्रकार श्रवण ने माता पिता को तीर्थयात्रा करवाने के लिए प्रबंध किया ।

(ख) पुत्र शोक में व्याकुल माता - पिता ने क्या किया ?

उत्तर = पुत्र शोक में व्याकुल माता - पिता ने जल ग्रहण नहीं किया और दशरथ को पुत्र शोक से संतप्त होने का श्राप भी दिया । श्रवण की याद में उन्होंने प्राण त्याग दिया ।

ODM
EDUCATIONAL GROUP

(ग) कर्ण ने दान में क्या और किस प्रकार दिया ?

उत्तर = कर्ण ने दान में अपने सोने के दाँत दिया । क्योंकि जब रणभूमि में ब्राह्मण बने श्री कृष्ण ने भिक्षा माँगी और कहा कि हमारी इच्छा पूर्ण करें । तब कर्ण ने पास पड़े पत्थर से दाँत तोड़े और गंगा माँ का स्मरण कर उस पानी से दाँत धोकर ब्राह्मणों को दिया ताकि दान जूठा न रहे ।

ODM EDUCATIONAL GROUP

४• निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए -

(क) राजा दशरथ द्वारा जल लेकर जाने के दृश्य को अपने शब्दों में लिखिए ।

उत्तर = राजा दशरथ से अनजाने में अपराध हुआ था । उन्होंने श्रवण से बार- बार माफी माँगी । श्रवण ने राजा दशरथ को अपनी प्यासी माँ की बात बताई और कहते - कहते श्रवण ने अपने प्राण त्याग दिए । राजा दशरथ जल लेकर जैसे ही श्रवण के माता - पिता के पास पहुँचे तब वे राजा के पैरों की आहट से समझ गए कि कोई अनजान व्यक्ति हैं । अंत में राजा दशरथ मज़बूर हो गए तथा सारी घटना का वर्णन कर दिया । पुत्र शोक से व्याकुल माता - पिता ने जल ग्रहण नहीं किया और राजा दशरथ को पुत्र शोक से संतप्त होने का श्राप भी दिया । अतः इस प्रकार श्रवण की याद में उसके माता - पिता प्राण त्याग दिए ।

(ख) कर्ण ने घायल होने के बाद भी अपनी दानशीलता किस प्रकार दिखाई ? इस आधार पर कर्ण के चरित्र की कुछ विशेषताएँ भी लिखिए '

उत्तर = कर्ण घायल होने के बावजूद भी अपनी दानशीलता दिखाई क्योंकि कर्ण का नाम महाभारत के महापात्र जो कि संसार के समक्ष अपनी दानशीलता और मित्र भक्ति के लिए प्रसिद्ध है। कर्ण बचपन से योग्य होने के बावजूद भी कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था । कर्ण अपनी दानवीरता के लिए प्रसिद्ध था कवच - कुंडल का दान करके वह महान कहलाया । दुर्योधन के मित्र प्रेम के लिए उसने अपने भाइयों को ठुकराया । अंत में रणभूमि में घायल होने के बावजूद भी उसने श्री कृष्ण के भिक्षा माँगने पर पास पड़े हुए पत्थर से अपने सोने के दाँत को तोड़कर दान में दे दिया । तब श्री कृष्ण ने कर्ण को आशीर्वाद दिया कि " जब तक सूर्य , चंद्र और तारे रहेंगे , तब तक तीनों लोकों में तुम दानवीर कहलाओगे , तुम्हारा गुणगान होता रहेगा । अब तुम मोक्ष प्राप्त करोगे ।

भाषा ज्ञान

१• निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए -

(क) रेलगाड़ी - रेलगाडियाँ

(ख) टोकरी - टोकरियाँ

(ग) लाठी - लाठियाँ

(घ) कंधा - कंधे

(ङ) तारा - तारें

(च) बूढ़े - बूढा

ODM EDUCATIONAL GROUP

२• ' कम ' शब्द में ' ई ' जोड़ने पर ' कमी ' शब्द बनता है ।
इसी प्रकार नीचे दिए गए शब्दों में अन्य शब्दांश जोड़कर नए शब्द बनाइए -

(क) शिकार - शिकारी

(ख) प्यास - प्यासी

(ग) दुख - दु खी

(घ) दान - दानी

(ङ) भक्त - भक्ति

(च) होना - होनी

ODM EDUCATIONAL GROUP

३• पाठ में अनेक शब्द - युग्मों का प्रयोग हुआ है , निम्नलिखित शब्द - युग्मों से वाक्य बनाइए -

उत्तर-

(क) माता - पिता - हमें अपने माता - पिता की आज्ञा का पालन करना चाहिए ।

(ख) बड़ी - बडी - श्रवण कुमार ने दो बड़ी -बड़ी टोकरियों से एक बड़ा काँवर बनाया

(ग) कहते - कहते - तीर लगने पर श्रवण कुमार राजा दशरथ से अपने माता - पिता की बात कहते - कहते प्राण त्याग दिए ।

(घ) कवच - कुंडल - कवच और कुंडल दान करने के कारण कर्ण दानवीर कहलाते हैं।

(ड) एक - एक - श्रवण कुमार ने अपने माता - पिता को यात्रा करवाने के लिए मज़बूत लाठी के दोनों सिरों पर एक - एक टोकरी बाँधकर लटका दिया ।

ODM EDUCATIONAL GROUP

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP